



Yash



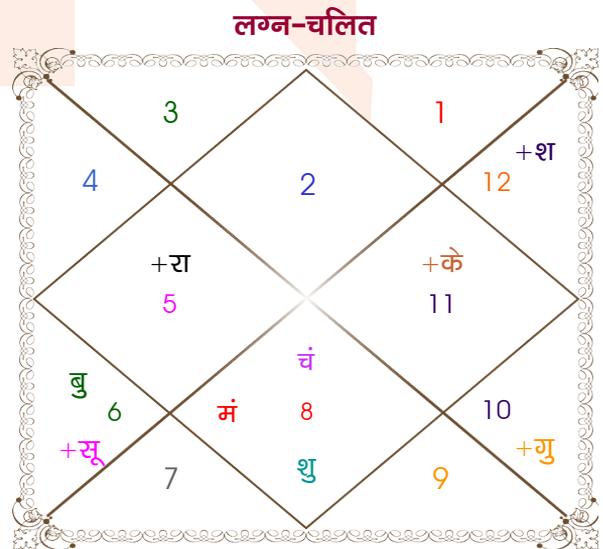
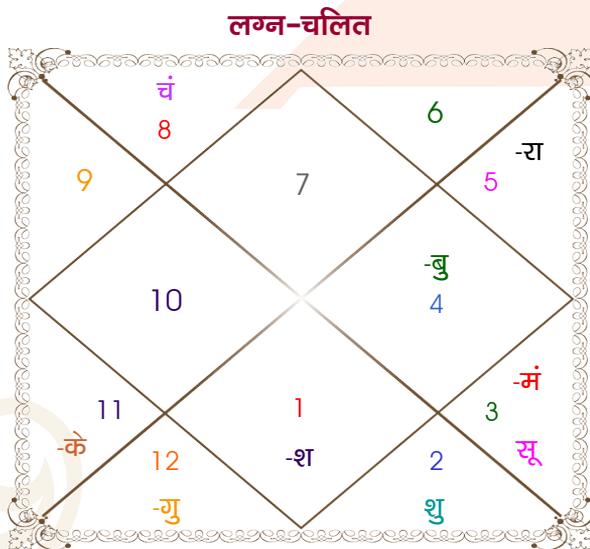
Ms.pooja

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121216105

पुल्लिंग : _____ लिंग _____ : स्त्रीलिंग
 07/07/1998 : _____ जन्म तिथि _____ : 05/10/1997
 मंगलवार : _____ दिन _____ : रविवार
 घंटे 15:29:00 : _____ जन्म समय _____ : 20:45:00 घंटे
 घटी 24:46:54 : _____ जन्म समय(घटी) _____ : 36:06:32 घटी
 India : _____ देश _____ : India
 Alwar : _____ स्थान _____ : Alwar
 27:32:00 उत्तर : _____ अक्षांश _____ : 27:32:00 उत्तर
 76:35:00 पूर्व : _____ रेखांश _____ : 76:35:00 पूर्व
 82:30:00 पूर्व : _____ मध्य रेखांश _____ : 82:30:00 पूर्व
 घंटे -00:23:40 : _____ स्थानिक संस्कार _____ : -00:23:40 घंटे
 घंटे 00:00:00 : _____ ग्रीष्म संस्कार _____ : 00:00:00 घंटे
 05:34:14 : _____ सूर्योदय _____ : 06:18:23
 19:22:33 : _____ सूर्यास्त _____ : 18:05:29
 23:50:03 : _____ चित्रपक्षीय अयनांश _____ : 23:49:28

विंशोत्तरी बुध 7वर्ष 5मा 5दि शुक्र		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी गुरु 1वर्ष 2मा 25दि बुध	
	11/12/2012	29:53:09	तुला	लग्न	वृष	09:17:25		31/12/2017
	11/12/2032	21:15:51	मिथु	सूर्य	कन्या	18:35:32		31/12/2034
शुक्र	12/04/2016	24:10:17	वृश्चि	चंद्र	वृश्चि	02:18:13	बुध	28/05/2020
सूर्य	12/04/2017	06:52:11	मिथु	मंगल	वृश्चि	10:53:18	केतु	25/05/2021
चन्द्र	12/12/2018	15:48:29	कर्क	बुध	कन्या	12:17:13	शुक्र	25/03/2024
मंगल	11/02/2020	04:02:28	मीन	गुरु व	मक	18:16:43	सूर्य	30/01/2025
राहु	11/02/2023	21:30:46	वृष	शुक्र	वृश्चि	03:07:56	चन्द्र	01/07/2026
गुरु	12/10/2025	08:29:07	मेष	शनि व	मीन	23:26:30	मंगल	28/06/2027
शनि	11/12/2028	08:39:08	सिंह व	राहु व	सिंह	25:44:33	राहु	15/01/2030
बुध	12/10/2031	08:39:08	कुंभ व	केतु व	कुंभ	25:44:33	गुरु	22/04/2032
केतु	11/12/2032	17:57:11	मक व	हर्ष व	मक	10:56:39	शनि	31/12/2034
		07:22:31	मक व	नेप व	मक	03:21:32		
		11:52:15	वृश्चि व	प्लूटो	वृश्चि	09:46:12		



अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	विप्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	कीटक	कीटक	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	विपत	मित्र	3	1.50	--	भाग्य
योनि	मृग	व्याघ्र	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	मंगल	मंगल	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	राक्षस	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	वृश्चिक	वृश्चिक	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	31.50		

लै का वर्ग मृग है तथा डेपचवरं का वर्ग सर्प है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।
अष्टकूट मिलान के अनुसार लै और डेपचवरं का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

लै मंगलीक नहीं है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में नवम् भाव में स्थित है।
डेपचवरं मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

**तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम् ।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा ।।**

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल डेपचवरं कि कुण्डली में स्वराशि में है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

**कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा ।
न मंगली मंगल राहु योग ।**

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं चन्द्र डेपचवरं कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

**यामित्रे च यदा सौरि लग्ने वा हिबुकेऽथवा ।
अष्टमे द्वादशे वापि भौमदोषविनाशकृत् ।।**

शनि यदि एक की कुंडली में 1,4,7,8,12 वें भावों में हो और दूसरे के मंगल इन्हीं भावों में हों तो मंगल दौष नहीं लगता ।

क्योंकि शनि लै कि कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है ।

**त्रिषट् एकादशे राहु त्रिषट् एकादशे शनिः ।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत् ।।**

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है ।

क्योंकि राहु लै कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है ।
लै तथा डेण्चववरं में मंगलीक मिलान ठीक है ।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं ।

